पाठ - 14
आप के कुछ मोजिज़ों का बयान

الدرس الرابع عشر - هندي
من معجزاته

आपका सबसे बड़ा मोजिज़ा जो क़ियामत तक बाक़ी रहेगा वह क़ुरआन करीम है जिसने अरबी भाषा के माहिरों को विवश कर दिया, अरबी के विज्ञानों को दहशत का शिकार बना दिया और अल्लाह ने तमाम लोगों को चुनौती दी कि इस जैसी दस सूरतें ही लाकर दिखाएं या एक ही सूरह लाएं या इस जैसी कोई एक ही आयत लाएं और मुश्रिकों ने भी इसके गौरव का एतिराफ़ किया है।

आपके मोजिज़ों में से एक यह है कि मुश्रिकों ने जिस समय आपसे निशानी की मांग की तो आपने उनके लिए चाँद के दो टुकड़े होने का मन्ज़र दिखाया कि चाँद के दो हिस्से हो गए। कई बार आपकी उंगलियों के बीच से पानी जारी हुआ, आपकी हथेली में कंकरी ने तसबीह पढ़ी। आपने उस कंकरी को अबू बक्र, फिर उमर और उसके बाद उसमान रजियल्लाहु अन्हु की हथेली में रखा तो उससे ''सुब्हानअल्लाह की आवाज़ आयी। सहाबा किराम रजियल्लाहु अन्हुम खाने से तसबीह पढ़ने की आवाज़ सुनते। आपसे पत्थर और पेड़ सलाम करते और जब एक यहूदिया ने आपको मार डालने के इरादे से ज़हर लगा बकरी का दस्ता हदया किया तो दस्ता आपसे बात करने लगा। आपने एक बकरी के थन पर हाथ फेरा जिसमें दूध का नामो निशान नहीं था तो उसमें दूध जमा हो गया। आपने उसे दुहा, आपने उसे स्वयं पिया और अबू बक्र रजियल्लाहु अन्हु को भी पिलाया।

हज़रत अली रजियल्लाहु अन्हु की आँखें आयी हुई थीं जिनमें आपने अपनी थूक लगायी तो वे उसी पल ठीक हो गयीं। किसी सहाबी का पांव घायल हो गया तो नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने उस पर अपना हाथ फेरा तो वह ठीक हो गया। आपने अनस रजि0 के लिए उम्र में बढ़ौतरी की दुआ की, माल में अधिकता और औलाद के बारे में दुआ की कि अल्लाह उनको इन चीज़ों में बरकत प्रदान करे तो उनके 120 बच्चे पैदा हुए, उनके खजूर के बाग़ में साल में दो बार फल लगता था जबकि खजूर का मामूल यही है कि उनमें साल में एक बार फल लगता है और उन्होंने 120 साल की उम्र पायी। किसी सहाबी ने अकाल की शिकायत की, उस समय आप मिम्बर पर थे। आपने अपने दोनों हाथों को उठा कर अल्लाह से दुआ की। उस समय आसमान पर बादल भी नहीं था कि इस दौरान पहाड़ों के जैसे बादल छा गए और दूसरे जुमे तक मूसला धार बारिश हुई, यहां तक कि ज़्यादा बारिश होने की शिकायत की गयी तो आपने अल्लाह से दुआ की और बारिश रुक गयी और लोग धूप में चलते हुए निकले।

अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने एक साअ जौ और एक बकरी में एक हज़ार खन्दक़ खोदने वाले लोगों को खिलाया। सभी लोगों ने पेट भर कर खाया और खाना कुछ भी कम नहीं हुआ था। इसी तरह बशीर बिन साअद रजियल्लाहु अन्हु की बेटी अपने बाप और मांमू के लिए थोड़ी खजूर लेकर आयी तो रसूले अकरम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने उसमें से पूरे ख़न्दक़ के लोगों को खिलायी। इसी तरह अबू हुरैरह रजियल्लाहु अन्हु के ज़ादे राह से पूरे लश्कर को खिलाया यहां तक कि सभी लोगों का पेट भर गया। आप सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम सौ कुरैश के जवानों के बीच से उनके चेहरे पर मिट्टी डालते हुए निकल गए जबकि वे लोग आपको क़त्ल करने के लिए आपका इन्तिज़ार कर रहे थे और उन लोगों ने देखा तक नहीं। और सुराक़ा बिन मालिक ने आपको क़त्ल करने के उद्देश्य से आपका पीछा किया, मगर ज्यों ही वह आपके क़रीब पहुंचा, आपने उसके लिए बद दुआ की जिससे उसके घोड़े का पांव ज़मीन में धंस गया।